

प्रो. एम्. वेंकटेशकुमार

Prof. M. Venkateshkumar



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

प्रो. एम्. वेंकटेशकुमार

प्रो. एम्. वेंकटेशकुमार किराना और ग्वालियर घराने की हिन्दुस्तानी शास्त्रीय शैली के जाने–माने स्वर संगीतज्ञों में से एक हैं। आपको पूरे देश में विशुद्धता और उस भाव के लिए जाना जाता है जिसे आप अपने प्रदर्शन में प्रस्तुत करते हैं।

2. आपका जन्म 01 जुलाई, 1953 को एक गायक परिवार में हुआ था। आप अपने पिता से प्रभावित थे, जो स्वयं एक सुप्रसिद्ध लोक गायक थे। आप परंपरागत गुरूकुल शैली में संगीत की शिक्षा प्राप्त करने वीरेश्वर पुण्याश्रम, गडग गए। आपने प्रख्यात संगीतज्ञ गणयोगी पंडित पुत्ताराजा गवई की देख–रेख में संगीत विद्या सीखी और गंधर्व महाविद्यालय, मिराज, महाराष्ट्र से संगीत में परास्नातक उपाधि अर्जित की।

3. आपने एक संगीत अध्यापक के रूप में 1979 में अपने करिअॅर की शुरूआत की और वर्ष 2015 में ललित कला एवं संगीत यूनिवर्सिटी कॉलेज, धारवाड़ से हिन्दुस्तानी शास्त्रीय स्वर–संगीत के सहायक प्रोफेसर के रूप में सेवानिवृत्त हुए। आप तीन दशक से भी अधिक समय से आकाशवाणी में अपनी प्रस्तुति दे रहे हैं और आकाशवाणी द्वारा आपको उच्च कोटि का गायक माना जाता है। आप विभिन्न दूरदर्शन चैनलों पर नियमित रूप से अपनी प्रस्तुति देते रहते हैं तथा कई एक अग्रणी संगीत रिकार्ड करने वाली कंपनियां पूरे देश में संगीत प्रेमियों को आनंद–विभोर कर रही हैं। भारतीय उप महाद्वीप के बाहर भी बड़ी संख्या में आपके प्रशंसक हैं तथा यू एस ए, यू के तथा सिंगापुर में आपने सजीव प्रस्तुतियां दी हैं।

4. आपको कई एक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा गया है, जिनमें, केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (2011), कर्नाटक राज्योत्सव पुरस्कार (1999), कर्नाटक संगीत नृत्य अकादमी पुरस्कार (2007), कर्नाटक की सरकार द्वारा प्रदत्त डी. देवराज उर्स पुरस्कार (2014), आई टी सी का उस्ताद फैय्याज अहमद खां उस्ताद नियाज अहमद खां स्मारक पुरस्कार (2011), स्व. श्रीमती वत्सलाताई भीमसेन जोशी पुरस्कार (2008), स्वरयोगिनी डॉ. प्रभा अत्रे शास्त्रीय संगीत पुरस्कार (2011), स्व. श्रीमती कृष्णा हंगल स्मारक राष्ट्रीय पुरस्कार (2009), एफ आई ई फाउण्डेशन पुरस्कार, ईचलकरणजी, महाराष्ट्र (2008), शरण साहित्य परिषद से रमनश्री पुरस्कार (2007) तथा वचन साहित्यश्री पुरस्कार (2009) शामिल हैं।

Prof. M. Venkateshkumar

Prof. M. Venkateshkumar is one of the acclaimed vocal musicians of Hindustani Classical style belonging to Kirana and Gwalior Gharana. He is recognized in the entire country for the purity and bhava that he brings in his rendition.

2. Born on July 01, 1953 in a family of artistes, Prof. Venkateshkumar was influenced by his father who himself was a renowned folk artiste. He underwent his music training in Veereshwara Punyashrama, Gadag in traditional Gurukula style. He was mentored by illustrious musician Ganayogi Pandit Puttaraja Gawai and acquired Post Graduate Degree in Music from Gandharva Mahavidyalaya, Miraj, Maharashtra.

3. Prof. Venkateshkumar started his career as a music teacher in 1979 and retired as Assistant Professor of Hindustani Classical Vocal Music from University College of Fine Arts and Music, Dharwad in 2015. He has been performing in All India Radio for over three decades and is recognized by All India Radio as a top grade artiste. He is a regular performer on various TV channels and a number of recordings from leading music recording companies are enriching the lives of music lovers all over the country. His fan following has crossed the borders of Indian subcontinent and he has given live performances in USA, UK and Singapore.

4. Prof. Venkateshkumar is bestowed with a number of awards and a few of them are, Central Sangeet Natak Academy Award (2011); Karnataka Rajyotsava Award (1999); Karnataka Sangeet Nrutya Academy Award (2007); D. Devaraj Urs Award from Government of Karnataka (2014); ITC's Ustad Fiaz Ahmed Khan Ustad Niaz Ahmed Khan Memorial Award (2011); Late Smt. Vatsalatai Bhimsen Joshi Award (2008); Swarayogini Dr. Prabha Atre Classical Music Award (2011); Late Smt. Krishna Hangal Memorial National Award (2009); FIE Foundation Award, Ichalakaranji, Maharashtra (2008); Ramanashree Award from Sharana Sahitya Parishat (2007) and Vachana Sahityashree Award (2009).